चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	25.08.2026	-----	----

हकृवि का सरसों की किस्म को बढ़ावा देने का उद्देश्य

उत्तराखंड की कंपनी के साथ समझौता पर किए हस्ताक्षर

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किये जा रहे उन्नत किस्म के बीज देश एवं प्रदेश के किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत समझौते किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 के लिए हेमट्रिक्स एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड, रूद्रपुर, उत्तराखंड के साथ गैर अन्यन लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। विश्वविद्यालय की तरफ से अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग तथा कम्पनी की तरफ से जोनल मैनेजर बीएन मिश्रा ने हस्ताक्षर किए।

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस की फीस अदा करेगी जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. रामअवतार, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. अनुराग व डॉ. सुबे सिंह उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
गजब हरियाणा न्यूज	25.08.2026	-----	----

मध्यप्रदेश विधानसभा के विधायकों ने किया हकृवि कृषि विज्ञान केन्द्र कुरुक्षेत्र का दौरा

» गजब हरियाणा/ब्यूरो

हिसार । मध्यप्रदेश विधानसभा की कृषि विकास समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने कृषि, कृषि प्रसार, फसल अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण और धान की सीधी बिजाई जैसे क्षेत्रों में हरियाणा की सर्वोत्तम तकनीकें एवं नवाचारों का प्रत्यक्ष अध्ययन करने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र कुरुक्षेत्र का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में समिति के सभापति व विधायक ठाकुरदास नागवंशी, विधायक महेंद्र रामसिंह यादव, विधायक नीलेश उईके, एडिशनल सेक्रेटरी उमेश शर्मा, अंडर सेक्रेटरी महावीर सिंह, नोडल अधिकारी समीर पटेल और हरियाणा विधानसभा के प्रोटोकॉल अधिकारी संजीव शर्मा उपस्थित रहे। यह दौरा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के मार्गदर्शन में किया गया। समिति के सभापति ठाकुरदास नागवंशी ने कुरुक्षेत्र में पराली जलाने के मामलों में आई कमी की प्रशंसा करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार और विश्वविद्यालय इस सफलता के लिए बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि यह समिति हरियाणा के सब्सिडी प्रावधानों और नियमों जैसे सफल मॉडलों को मध्यप्रदेश सरकार के समक्ष रखेगी ताकि उनके राज्य में भी फसल अवशेष प्रबंधन को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने प्रतिनिधि मंडल को बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण, धान की सीधी बिजाई तथा फसल विविधीकरण अपनाने के लिए किसानों को निरंतर जागरुक किया जा रहा है। तकनीकी सत्र के दौरान केवीके यमुनानगर के समन्वयक डॉ. संदीप रावल ने बताया कि केवीके कुरुक्षेत्र के निरंतर प्रयासों, किसान मेलों, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों और हरियाणा सरकार की प्रभावी सब्सिडी व नीतियों के चलते कुरुक्षेत्र जिले में पराली जलाने के मामलों में काफी कमी आई है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के वैज्ञानिक डॉ. श्रीकांत संदीपम ने पराली के त्वरित निस्तारण के लिए बायो-डिकम्पोजर तकनीक की जानकारी दी। एडिशनल सेक्रेटरी श्री उमेश शर्मा ने हरियाणा की मशीनरी आवंटन नीति की सराहना की। जल संरक्षण के मद्देनजर धान की सीधी बिजाई के लिए केवीके कुरुक्षेत्र व यमुनानगर द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। इस आयोजन में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अजय शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन सह-निदेशक डॉ. एस. के. ढांडा ने किया। इस अवसर पर केवीके कुरुक्षेत्र के वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार, डॉ. फतेह सिंह, डॉ. अश्विनी कुमार, डॉ. ललिता रानी, डॉ. सरिता रानी, डॉ. कविता तथा केंद्र के सभी कर्मचारी भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	26.8.26	3	3-4

हकृवि की सरसों हाइब्रिड आरएचएच 2101 के लिए निजी कंपनी से गैर-विशिष्ट लाइसेंस समझौता

हकृवि में एमओयू का आदान प्रदान करते कुलसचिव व कंपनी के अधिकारी।

हिसार |चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों तक उन्नत बीज पहुंचाने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 के लिए हेमट्रिक्स एग्रीटैक प्राइवेट लिमिटेड, रूद्रपुर (उत्तराखंड) के साथ गैर-विशिष्ट लाइसेंस समझौता किया। विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक राजबीर गर्ग और कंपनी की ओर से जोनल मैनेजर बीएन मिश्रा ने दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। कुलसचिव पवन कुमार के अनुसार समझौते के बाद कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस शुल्क देगी और उसे बीज उत्पादन व विपणन का अधिकार मिलेगा, जिससे यह किस्म किसानों को उपलब्ध हो सकेगी। राजबीर गर्ग ने बताया कि आरएचएच 2101 लगभग 142 दिन में पकती है और 28 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर औसत उपज देती है। अधिक शाखाएं, फलियों में दानों की संख्या और करीब 40 प्रतिशत तेल अंश इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	26.8.26	9	2-4

तैयारी | उत्तराखंड की कंपनी करेगी बीज का उत्पादन और विपणन

हकृवि की हाइब्रिड सरसों आरएचएच-2101 अब बाजारों में मिलेगी, निजी कंपनी से एमओयू साइन

142 दिन में होती है तैयार, प्रति हेक्टेयर 28 से 30 क्विंटल तक उपज का दावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत कदम बढ़ाए हैं। हकृवि ने सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म 'आरएचएच 2101' को बढ़ावा देने और किसानों तक आसानी से बीज उपलब्ध कराने के लिए हेमट्रिक्स एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ गैर-अनन्य लाइसेंस समझौता किया है। समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग और कंपनी की ओर से जोनल मैनेजर बीएन मिश्रा ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित कई वरिष्ठ वैज्ञानिक व अधिकारी मौजूद रहे।

कंपनी अदा करेगी लाइसेंस फीस

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इस समझौते के तहत कंपनी विश्वविद्यालय को तय लाइसेंस फीस अदा करेगी। इसके बदले कंपनी को इस किस्म के बीज का उत्पादन और विपणन करने का अधिकार मिलेगा। इससे न केवल विश्वविद्यालय को राजस्व का लाभ होगा, बल्कि देश-प्रदेश के किसानों को समय पर सरसों की इस उन्नत किस्म का प्रामाणिक बीज मिल सकेगा।

आरएचएच-2101 किस्म की खासियतें

विवि अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने आरएचएच-2101 की खासियत के बारे में बताया कि यह हाइब्रिड किस्म मात्र 142 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। इसकी औसत उपज 28 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है। पौधों में शाखाएं और फलियों में दानों की संख्या ज्यादा होती है। दाने मध्यम आकार के हैं, जिनमें लगभग 40 प्रतिशत तक तेल की मात्रा पाई जाती है।

एमओयू के दौरान ये रहे मौजूदः इस समझौते के दौरान मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. रामअवतार, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. अनुराग और डॉ. सुबे सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	26.8.26	3	7-8

सरसों की किस्म के लिए कंपनी से किया समझौता

एमओयू के दौरान मौजूद एचएयू हिसार के कुलसचिव डॉ. पवन एवं अन्य। स्रोत : विवि

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने सरसों की पहली संकर किस्म आरएचएच 2101 को किसानों तक पहुंचाने के लिए हेमट्रिक्स एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड, रुद्रपुर (उत्तराखंड) के साथ समझौता किया है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत हुए समझौते के बाद कंपनी लाइसेंस फीस का भुगतान कर इस किस्म के बीज का उत्पादन और विपणन कर सकेगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव पवन कुमार ने बताया कि समझौते से किसानों को उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। एचएयू की ओर से अनुसंधान निदेशक राजबीर गर्ग और हेमट्रिक्स एग्रीटेक की ओर से क्षेत्रीय प्रबंधक बीएन मिश्रा ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। अनुसंधान निदेशक राजबीर गर्ग ने बताया कि आरएचएच 2101 करीब 142 दिन में पककर तैयार होती है। इसकी औसत उपज 28 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	26.8.26	5	1-2

एमओयू के दौरान उपस्थित कुलसचिव डॉ. पवन कुमार एवं अन्य।

हकृवि ने सरसों की किस्म को बढ़ावा देने के लिए प्राइवेट कम्पनी के साथ किया समझौता

हिसार, 25 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा):चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किये जा रहे उन्नत किस्म के बीज देश एवं प्रदेश के किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत समझौते किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 के लिए हेमट्रिक्स एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड, रूद्रपुर, उत्तराखंड के साथ गैर अन्यन लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। विश्वविद्यालय की तरफ से अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग तथा कम्पनी की तरफ से जोनल मैनेजर बीएन मिश्रा ने हस्ताक्षर किए। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि समझौते पर हस्ताक्षर होने के पश्चात अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस की फीस अदा करेगी जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. रामअवतार, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. अनुराग व डॉ. सुबे सिंह उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	25.08.2026	-----	----

हकृवि ने सरसों की किस्म को बढ़ावा देने के लिए निजी कम्पनी से किया करार

नभ-छोर न्यूज ⏭ 25 अगस्त

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय द्वारा सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 के लिए हेमट्रिक्स एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड, रूद्रपुर, उत्तराखंड के साथ गैर अन्यन लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। विश्वविद्यालय की तरफ से अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग तथा कम्पनी की तरफ से जोनल मैनेजर बीएन मिश्रा ने हस्ताक्षर किए। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि समझौते पर हस्ताक्षर होने के पश्चात अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस की फीस अदा करेगी जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध हो सकेगा। अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बताया कि यह किस्म 142 दिन में पककर तैयार हो जाती है और 28 से 30 किवंटल प्रति हेक्टेयर तक औसत उपज देती है। इस अवसर पर डॉ. नरेश कौशिक, डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. रामअवतार, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. अनुराग व डॉ. सूबे सिंह आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	25.08.2026	-----	----

हकृवि ने सरसों की किस्म को बढ़ावा देने के लिए प्राइवेट कम्पनी के साथ किया समझौता

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किये जा रहे उन्नत किस्म के बीज देश एवं प्रदेश के किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत समझौते किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 के लिए हेमट्रिक्स एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड, रुद्रपुर, उत्तराखंड के साथ गैर अनन्य लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। विश्वविद्यालय की तरफ से अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग तथा कम्पनी की तरफ से जोनल मैनेजर चेतन मिश्रा ने हस्ताक्षर किए।

विश्वविद्यालय के साथ किसानों को भी होगा फायदा

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि समझौते पर हस्ताक्षर होने के पश्चात अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस की फीस अदा करेगी जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध हो सकेगा।

आरएचएच 2101 किस्म की विशेषताएं

अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बताया कि यह किस्म 142 दिन में पककर तैयार हो जाती है और 28 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक औसत उपज देती है। इस किस्म में शाखाओं की संख्या अधिक होती है तथा प्रति फलियों में दानों की संख्या भी ज्यादा होती है जिसके कारण इसकी उपज क्षमता अन्य उन्नत किस्मों की तुलना में अधिक है इसके दाने मध्य आकार के होते हैं और इसमें लगभग 40 प्रतिशत तेल अंश पाया जाता है। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एमके पाहुजा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विनोद मोर, डॉ. रामअवतार, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. अनुराग व डॉ. सुबे सिंह उपस्थित रहे।